राष्ट्रीय खेल एवं साहसकि पुरस्कार-2021

चर्चा में क्यों?

13 नवंबर, 2021 को हरयिाणा के खलिाड़यिों द्वारा ओलंपकि व पैरालंपकि-2020 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करने पर राष्ट्रपति राम नाथ कोवदि द्वारा राष्ट्रीय खेल एवं साहसकि पुरस्कार-2021 से खलिाड़यिों को सम्मानति कयिा गया।

प्रमुख बदिु

- राष्ट्रपति भवन, नई दलि्ली में आयोजति इस समारोह में हरयिाणा के 12 खलिाड़यिों और 4 प्रशकि्षकों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन अवार्ड, द्रोणाचार्य लाइफ टाइम अवार्ड, द्रोणाचार्य अवार्ड और मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड मलिा है।
- भाला फेंक खलिाड़ी नीरज चोपड़ा, पैरा नशिानेबाज़ मनीष नरवाल, पहलवान रवि कुमार दहयिा व पैरा एथलीहट सुमति अंतलि को देश का सबसे बड़ा खेल सम्मान 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न' मलिा है।
- वहीं हरयिाणा से ताल्लुक रखने वाले 8 खलिाड़ी पैरा एथलीट योगेश कथूनयिा, हॉकी खलिाड़ी सुरेंद्र पालड, हॉकी खलिाड़ी सहिराज अधाना, सुमति कुमार, पहलवान दीपक पूनयिा, पैरा तीरंदाज हरवदिर सहि, हॉकी खलिाड़ी मोनकिा मलकि और कबड्डी खलिाड़ी संदीप नारवाल को खेल एवं स्पर्धा 2021 में शानदार प्रदर्शन के लयि अर्जुन अवार्ड से नवाज़ा गया है।
- खेल और स्पर्धा 2021 में उत्कृष्ट कोचों के लयि द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफ- टाइम श्रेणी) में क्रकिेट कोच सरकार तलवार और कबड्डी कोच आशान कुमार को सम्मानति कयिा गया है। द्रोणाचार्य पुरस्कार (नयिमति श्रेणी) में हॉकी कोच प्रीतम सविाच को सम्मान मलिा है। खेल और स्पर्धा 2021 में लाइफटाइम अचीवमेंट के लयि पहलवान सज्जन सहि को ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानति कयिा गया है।
- हरयिाणा के मानव रचना शैक्षणकि संस्थान को नवोदति और युवा प्रतभिा की पहचान और पोषण की श्रेणी में राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2021 से सम्मानति कयिा गया है।
- 12 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड में से 4 खेल रत्न अवार्ड तथा हैं। 35 अर्जुन अवार्ड में से 8 अर्जुन अवार्ड हरयिाणा को मलिे हैं। प्रशकि्षकों की अलग-अलग कैटेगरी में कुल 15 द्रोणाचार्य अवार्ड में से 4 हरयिाणा के प्रशकि्षकों को मलिे हैं। दो राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारों में से एक हरयिाणा को मलिा है। कुल 64 पुरस्कारों में से हरयिाणा को 17 पुरस्कार मलिे हैं।
- मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार (पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार) सरकार द्वारा 1991-92 में आरंभ कयिा गया था। पुरस्कार पछिले चार वर्षों के दौरान के क्षेत्र में कसिी एक खलिाड़ी द्वारा अभूतपूर्व और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लयि दयिा जाता है। पुरस्कार में एक पदक, समारोह की पोशाक, प्रमाणपत्र तथा 25.00 लाख रुपए नकद दयिा जाता है।
- द्रोणाचार्य पुरस्कार, 1985 में ऐसे वखि्यात प्रशकि्षकों को सम्मान देने के लयि शुरू कयिा गया था, जनि्होंने सफलतापूर्वक उन खलिाड़यिों या टीमों को प्रशकि्षति कयिा है जनि्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतयिोगतिाओं में उत्कृष्ट परणिाम प्राप्त कयिा हो। पुरस्कार प्राप्तकर्ता को एक प्रतमिा, प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 15.00 लाख जीवनपर्यंत श्रेणी और 10.00 रुपए नयिमति श्रेणी में नकद दयिा जाता है।
- वर्ष 1961 में स्थापति अर्जुन पुरस्कार उन खलिाड़यिों को दयिा जाता है जनि्होंने पछिले चार वर्षों में लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कयिा हो, साथ ही उनमें नेतृत्व, खेल भावना तथा अनुशासन की भावना के गुण भी होने चाहएि। पुरस्कार प्राप्तकर्ता को एक प्रतमिा, प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 15.00 लाख रुपए नकद दयिा जाता है।
- उन खलिाड़यिों को सम्मान देने के लयि जनि्होंने अपने प्रदर्शन के द्वारा खेलों में योगदान दयिा है तथा सक्रयि खेल जीवन से अपनी सेवानवृित्ति के बाद भी खेलों के संवर्धन में योगदान देना जारी रखा है, खेलकूद में जीवनपर्यंत उपलब्धि के लयि वर्ष 2002 से ध्यानचंद पुरस्कार स्थापति कयिा गया है। पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र, समारोह की पोशाक तथा 10.00 लाख रुपए नकद दयिा जाता है।
- खलिाड़यिाँ तथा कोचों के अलावा अन्य व्यक्तयिों द्वारा खेलों के वकिास में दएि गए योगदान को मान्यता प्रदान करने के लयि सरकार ने राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लयि शीर्षक से एक नए पुरस्कार वर्ष 2009 से गठति कएि गए हैं जनिमें चार श्रेणयिा है नामत: (1) उदीयमान/युवा प्रतभिाओं की पहचान और पोषण (2) कारपोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन (3) खलिाड़यिों के लयि रोजगार और खेल कल्याणकारी उपाय (4) वकिास के लयि खेल पुरस्कारों में प्रत्येक ऊपर उल्लखिति श्रेणयिों में एक प्रशस्ति पत्र तथा एक ट्राफी प्रदान की जाती है। इसमें कोई नकद पुरस्कार नहीं है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-sports-adventure-awards-2021